25 सितम्बर 2023

कमोडिटी मार्केट रिपोर्ट

smc
moneywise. be wise.

प्रमुख खबरें

- दक्षिण भारत के प्रमुख जलाशयों में जल भंडारण का स्तर चिंता का कारण बना हुआ है, जबकि देश भर के प्रमुख 150 जलाशयों में जल का स्तर पिछले 10 वर्षों के औसत स्तर से कम है।
- अंतर्राष्ट्रीय चीनी संगठन (आईएसओ) का अनुमान है कि अक्टूबर से शुरू होने वाले 2023-24 सीजन में वैश्विक स्तर पर चीनी उत्पादन में 1.21 प्रतिशत की गिरावट की संभावना है, जबकि बाजार को 2.118 मिलियन टन की कमी का सामना करना पड़ेगा।
- सोयाबीन प्रोसेसर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अनुसार, अक्टूबर से शुरू होने वाले तेल वर्ष 2023-24 में भारत में सोयाबीन का कैरी फॉरवर्ड स्टॉक रिकॉर्ड 32.26 लाख टन है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 28 प्रतिशत अधिक है।
- सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अनुसार, भारत ने अगस्त में 3.54 लाख टन ऑयलमील का निर्यात किया, जो एक साल पहले के 2.81 लाख टन से 26% अधिक है।
- भारतीय रिफाइनरियों में रखरखाव गतिविधियों और रूस से शिपमेंट में गिरावट के कारण अगस्त में भारत में कच्चे तेल का आयात लगातार तीसरे महीने कम होकर 18.73 मिलियन टन हुआ है।
- इंटरनेशनल कॉपर स्टडी ग्रुप (आईसीएसजी) ने अपने नवीनतम मासिक बुलेटिन में कहा कि जुलाई में वैश्विक स्तर पर रिफाइंड तांबे के बाजार में 19,000 मीट्रिक टन की कमी दर्ज की गई, जबकि जून में 72,000 मीट्रिक टन की कमी हुई थी। आईसीएसजी ने कहा कि साल के पहले 7 महीनों में बाजार 215,000 मीट्रिक टन सरप्लस में था, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में 254,000 मीट्रिक टन की कमी थी।
- इंटरनेशनल एल्युमीनियम इंस्टीट्यूट के आंकड़ों से पता चलता है कि अगस्त में वैश्विक स्तर पर प्राथमिक एल्युमीनियम का उत्पादन साल दर साल 1.6% बढ़कर 6.0 मिलियन टन हो गया।
- अगस्त में ब्राजील से चीन का सोयाबीन आयात पिछले वर्ष के समान महीने की तुलना में 45% बढ़ गया है।

NCDEX में सबसे अधिक बढ़ने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	15.09.23	21.09.23	बदलाव (%)
सीसेमसीड	17925.00	18405.00	2.68%
धनिया	6992.00	7126.00	1.92%
मक्का	2082.00	2107.00	1.20%
कैस्टरसीड	6097.00	6126.00	0.48%
जौ	2050.00	2053.00	0.15%

MCX में सबसे अधिक बढने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	15.09.23	21.09.23	बदलाव (%)
एल्युमीनियम	203.20	204.50	0.64%

NCDEX में सबसे अधिक गिरने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	15.09.23	21.09.23	बदलाव (%)
गुड़	1532.50	1200.00	-21.70%
कॉटनऑयलसीडकेक	2872.00	2607.00	-9.23%
हल्दी	15590.00	14434.00	-7.42%
ग्वारसीड	6079.00	5851.00	-3.75%
ग्वारगम	12244.00	11908.00	-2.74%

MCX में सबसे अधिक गिरने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	15.09.23	21.09.23	बदलाव (%)
नेचुरल गैस	245.30	238.60	-2.73%
तांबा	736.40	721.55	-2.02%
लेड	190.00	187.70	-1.21%
कच्चा तेल	7473.00	7396.00	-1.03%
निकल	1726.10	1711.40	-0.85%

साप्ताहिक समीक्षा

सीआरबी सूचकांक फेडरल रिजर्व ब्याज दर के निर्णय के एक महत्वपूर्ण क्षण के दौरान 325 पर एक अस्थायी रूप से ठहर गया था। डॉलर इंडेक्स और अमेरिकी ट्रेजरी के यील्ड में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जो लंबी अवधि में उच्च ब्याज दर के माहौल की संभावना और 2023 में एक बार फिर से दर बढ़ोतरी की उम्मीद का संकेत देता है। सोने और चांदी की कीमतों में शुरुआत में बढ़त देखी गई, लेकिन बाद में गिरावट हुई और कीमतें साइडवेज कारोबार करते हुए एक दायरे में बंद हुई। ऊर्जा क्षेत्र में, कच्चे तेल की कीमतें अपने उच्च स्तर से पीछे हट गईं, जबकि नेचुरल गैस वायदा की कीमतें मामूली बढ़त के साथ बंद हुईं। ऊर्जा बाजारों में बुधवार को अमेरिकी ऊर्जा आंकड़ों पर बहुत कम प्रतिक्रिया हुई, जिसमें दिखाया गया कि कच्चे तेल का भंडार पिछले सप्ताह उम्मीदों के अनुरूप कम हो गया। अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन (ईआईए) ने एक साप्ताहिक रिपोर्ट में कहा कि कच्चे तेल के स्टॉक में गिरावट अधिक तेल निर्यात के कारण हुई, जबकि रिफाइनरों द्वारा शरद ऋतु के दौरान वार्षिक रखरखाव शुरू करने के कारण गैसोलीन और डीजल में भंडार में कमी हुई। बेस मेटल की कीमतों में इस चिंता के कारण गिरावट हुई कि अमेरिका में उच्च ब्याज दरों के लंबी अवधि तक बने रहने से संभावित मंदी का खतरा बढ़ सकता है। फेडरल रिजर्व द्वारा इस साल दरों में एक बार फिर से बढ़ोतरी के संकेत के बाद अमेरिकी डॉलर और बांड यील्ड बढ़ने से बेस मेटल की कीमतें गुरुवार को कम हो गईं। चीन मामूली प्रोत्साहन उपाय कर रहा है, लेकिन आर्थिक विकास कमजोर है और निवेशक देश के कर्ज से दबे संपत्ति क्षेत्र को लेकर चिंतित हैं। चीन के बारे में अमेरिकी कारोबारियों की उम्मीदें भी रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गई है। एलएमई के दैनिक आंकड़ों से पता चलता है कि एलएमई-पंजीकृत गोदामों में तांबे का भंडार, जो जुलाई के मध्य से बढ़ रहा है, मुख्य रूप से न्यू ऑरलियन्स में 6,100 टन की डिलीवरी के बाद मई 2022 के बाद से 155,700 टन के उच्चतम स्तर पर है। इंटरनेशनल एल्युमीनियम इंस्टीट्यूट के आंकड़ों से पता चलता है कि अगस्त में वैश्विक स्तर पर प्राथमिक एल्युमीनियम का उत्पादन सालाना आधार पर 1.6% बढ़कर 6.0 मिलियन टन हो गया।

कृषि कमोडिटीज में, अरंडी की कीमतों की गिरावट में एक क्षणिक ठहराव आया और यह 6200 अंक के करीब बंद हुई। नयी आपूर्ति की उपलब्धता बढ़ने के कारण कॉटनऑयलसीड केक वायदा कीमतों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। कपास बाजार में भी ऐसी ही स्थिति देखी गई। ग्वार बाजार में, ग्वारगम की कीमतें लगातार चौथे सप्ताह गिरावट के साथ बंद हुई, जबकि ग्वारसीड की कीमतें बढ़त के साथ बंद हुई। महाराष्ट्र और तेलंगाना में फसल की स्थिति में सुधार के बाद हल्दी की कीमतों में गिरावट हुई है। उचित घरेलू मांग और नगण्य स्टॉक के बीच जीरा वायदा में नयी खरीदारी लौट आई। चीन के खरीदारों ने हाल के महीनों में अपनी खरीदारी बढ़ा दी है जिससे भारत से कुल धनिया निर्यात में बढ़ोतरी हुई है। भारत ने जून-23 में पिछले वर्ष के 2.4 हजार टन की तुलना में लगभग 11.3 हजार टन धनिया का निर्यात किया है।

कमोडिटी

हाजिर कीमतें

कमोडिटी	स्थान	15.09.2023	21.09.2023	बदलाव(%)
जौ	जयपुर	2,047.60	2,041.45	-0.30%
चना	दिल्ली	6,375.40	6,618.15	3.81%
धनिया	कोटा	7,259.30	7,234.35	-0.34%
क्रूड पॉम ऑयल	कांडला	779.05	756.20	-2.93%
गुड़	मुजफ्फरपुर	1,530.85	1,508.85	-1.44%
ग्वारसीड	जोधपुर	6,106.75	5,862.40	-4.00%
ग्वारगम	जोधपुर	12,431.65	11,909.80	-4.20%
जीरा	ऊंझा	61,321.60	60,343.00	-1.60%
सरसों	जयपुर	5,811.60	5,798.20	-0.23%
रिफाइंड सोया तेल	मुंबई	900.00	875.00	-2.78%
सोयाबीन	इंदौर	5,135.85	4,962.65	-3.37%
हल्दी	निजामाबाद	13,620.05	13,604.95	-0.11%
गेहूं	दिल्ली	2,576.10	2,595.00	0.73%
कॉटन	कड़ी	29,424.90	29,401.00	-0.08%
कॉटनऑयलसीडकेक	अकोला	2,780.65	2,737.25	-1.56%

LME/ COMEX/ NYMEX में धातुओं की कीमत (डॉलर में)

कमोडिटी	एक्सचेंज	कॉन्ट्रैक्ट	15.09.2023	21.09.2023	बदलाव(%)
एल्युमीनियम	LME	नकद	2190.00	2212.00	1.00%
तांबा	LME	नकद	8405.50	8194.00	-2.52%
लेड	LME	नकद	2261.00	2183.50	-3.43%
निकल	LME	नकद	19924.00	19123.00	-4.02%
जिंक	LME	नकद	2520.50	2514.00	-0.26%
सोना	COMEX	अक्टूबर	1937.00	1930.40	-0.34%
चांदी	COMEX	सितम्बर	23.18	23.48	1.27%
लाइट क्रूड	NYMEX	सितम्बर	90.77	89.63	-1.26%
नेचुरल गैस	NYMEX	सितम्बर	2.64	2.61	-1.29%

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कमोडिटी की कीमतें

कमोडिटी	एक्सचेंज	कॉन्ट्रैक्ट	15.09.2023	21.09.2023	बदलाव (%)
सोयाबीन	CBOT	नवम्बर	13.55	13.10	-3.32%
सोया तेल	CBOT	दिसम्बर	61.51	57.81	-6.02%
कॉटन	ICE	दिसम्बर	86.44	86.47	0.03%
सीपीओ	BMD	नवम्बर	3,785.00	3,678.00	-2.83%

गोदाम में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति (NCDEX)

कमोडिटी	यूनिट	14.09.2023 क्वांटिटी	21.09.2023 क्वांटिटी	अंतर
बाजरा	मी.टन	0	0	0
मक्का	मी.टन	0	0	0
कैस्टर सीड	मी.टन	13170	13180	10
चना	मी.टन	13506	12632	-874
धनिया	मी.टन	28588	32845	4257
कॉटनऑयलसीडकेक	मी.टन	16741	16732	-9
ग्वारगम	मी.टन	22734	22534	-200
ग्वारसीड	मी.टन	81	72	-9
जीरा	मी.टन	4422	3792	-630
मक्का	मी.टन			432
स्टील लॉन्ग	मी.टन	432	432	918
हल्दी	मी.टन	1390	1350	-40

गोदाम में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति (MCX)

कमोडिटी	यूनिट	15.09.2023 क्वांटिटी	20.09.2023 क्वांटिटी	अंतर
एल्युमीनियम	मी.टन	400	400	0
तांबा	मी.टन	459668	729388	269720
सोना	किग्रा	604	604	0
सोना मिनी	किग्रा	2672	2672	0
सोना गिनी	किग्रा	619200	604200	-15000
लेड	किग्रा	0	0	0
चांदी (30 किग्रा बार)	किग्रा	45976	39272	-6704
चांदी एम	किग्रा	40285	40285	0
जिंक	मी.टन	0	0	0

LME में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति(टन में)

कमोडिटी	स्टॉक की स्थिति 15.09.2023	स्टॉक की स्थिति 21.09.2023	अंतर
एल्युमीनियम	492575	483550	-9025.00
तांबा	147575	162900	15325.00
निकल	39960	41316	1356.00
लेड	60975	74300	13325.00
जिंक	118650	108050	-10600.00

ट्रेंड शीट

एक्सचेंज	कमोडिटी	कांट्रेक्ट	बंद* भाव	ट्रेंड बदलाव की तिथि	ट्रेंड	भाव के ट्रेंड में बदलाव	सपोर्ट	रेजिस्टेंस	क्लोजिंग स्टॉप लास
NCDEX	जीरा	अक्टूबर	60365.00	31.08.23	तेजी	54000.00	58650.00	-	58600.00
NCDEX	**हल्दी**	**अक्टूबर**	**14434.00**	**20.09.23**	**मंदी**	**15000.00**	**-**	**15800.00**	**16000.00**
NCDEX	**ग्वारसीड**	**अक्टूबर**	**5851.00**	**18.09.23**	**मंदी**	**6000.00**	**-**	**6170.00**	**6200.00**
NCDEX	कैस्टरसीड	अक्टूबर	6126.00	14.09.23	मंदी	6300.00	-	6370.00	6400.00
NCDEX	स्टील लांग	अक्टूबर	46810.00	16.08.23	तेजी	45200.00	45600.00	-	45500.00
NCDEX	कॉटनऑयलसीडकेक	अक्टूबर	2607.00	02.08.23	तेजी	2400.00	2430.00	-	2400.00
MCX	मेंथा ऑयल	अक्टूबर	956.70	31.08.23	तेजी	1025.00	935.00	-	930.00
MCX	बुलडेक्स	अक्टूबर	15791.00	05.09.23	मंदी	15900.00	-	15970.00	16000.00
MCX	चांदी	दिसम्बर	73068.00	05.09.23	मंदी	74000.00	-	75700.00	76000.00
MCX	सोना	अक्टूबर	59343.00	29.08.23	मंदी	59400.00	-	59750.00	59800.00
MCX	तांबा	अक्टूबर	721.55	06.09.23	मंदी	735.00	-	747.00	750.00
MCX	लेड	अक्टूबर	187.70	13.07.23	साइडवेज	182.00	183.00	194.00	195.00
MCX	जिंक	अक्टूबर	224.75	31.08.23	साइडवेज	220.00	215.00	235.00	-
MCX	एल्युमिनियम	अक्टूबर	204.50	30.08.23	मंदी	200.00	-	211.00	212.00
MCX	कच्चा तेल	अक्टूबर	7483.00	12.07.23	तेजी	6050.00	7150.00	-	7100.00
MCX	नेचुरल गैस	अक्टूबर	238.60	31.08.23	तेजी	230.00	200.50	-	200.00

*21/09/2023 का बंद भाव

नोट: 1. कभी-कभी आप पाओगे कि स्टॉप लॉस बहुत अधिक है लेकिन यदि हम स्टॉप लॉस को एक बार बदल दें तो हमें कमोडिटी में मजबूती आती दिखेगी। उस स्थिति में स्टॉप लॉस अधिक होगा क्योंकि हम सप्ताहिक आधार पर ग्राफ को देखते है और लम्बे समय तक के रूझानों को लेते है।
2. इस सप्ताहिक ट्रेंड का मिलान रोजाना के ट्रेंड से नहीं किया जाना चाहिए, जिसे प्रतिदिन सुबह को मार्निंग रिपोर्ट के नाम से ई मेल किया जाता है।

टेक्निकल सुझाव

सोना (दिसम्बर) एमसीएक्स

सोना (दिसम्बर) एमसीएक्स **उच्चस्तर: 60640.00** **निचला स्तर: 58514.00**

एमसीएक्स में सोना (दिसम्बर) कॉन्ट्रैक्ट 21 सितम्बर 2023 को 59343.00 रू पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 59586.00 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 44.178 है। दोनों ही इंडिकेटर खरीददारी का संकेत दे रहे हैं।

58100.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 60200.00 रू के टारगेट के लिए 58800.00 रू के नजदीक खरीददारी की जा सकती है।

कैस्टरसीड (अक्टूबर) एनसीडीईएक्स

कैस्टरसीड (अक्टूबर) एनसीडीईएक्स **उच्च स्तर: 6610.00** **निचला स्तर: 5990.00**

एनसीडीईएक्स में कैस्टरसीड (अक्टूबर) कॉन्ट्रैक्ट 21 सितम्बर 2023 को 6126.00 रू पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 6334.18 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 40.955 है। दोनों ही इंडिकेटर खरीददारी का संकेत दे रहे हैं।

5990.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 6300.00 रू के टारगेट के लिए 6100.00 रू के नजदीक खरीददारी की जा सकती है।

कच्चा तेल (अक्टूबर) एमसीएक्स

कच्चा तेल (अक्टूबर) एमसीएक्स **उच्च स्तर: 7692.00** **निचला स्तर: 6437.00**

एमसीएक्स में कच्चा तेल (अक्टूबर) कॉन्ट्रैक्ट 21 सितम्बर 2023 को 6126.00 रू पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 6812.44 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 74.58 है। दोनों ही इंडिकेटर खरीददारी का संकेत दे रहे हैं।

7050.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 7800.00 रू के टारगेट के लिए 7300.00 रू के नजदीक खरीददारी की जा सकती है।

अगले सप्ताह में बाजार का रुख

मसाले

घरेलू और निर्यात मांग में कमी के कारण हल्दी की कीमतों में गिरावट की उम्मीद है। मौजूदा स्तर पर निर्यात पूछताछ सुस्त रही है जो कीमतों में कमजोरी के रूप में दिखाई देगी। पूरे भारत में बुआई कार्य लगभग पूरा हो चुका है और फसल की स्थिति संतोषजनक रही है। मुख्य ध्यान फसल की प्रगति पर है और सितंबर में तेलंगाना और महाराष्ट्र में अच्छी बारिश से फसल की स्थिति में सुधार होने की संभावना है, जिसका असर बाज़ार के सेंटीमेंट पर पड़ेगा। निर्यात मांग कम हो गई है क्योंकि भारत ने जून-23 में पिछले वर्ष के 18.5 हजार टन के मुकाबले लगभग 18.35 हजार टन का निर्यात किया। भारत ने अप्रैल-जून-23 के दौरान पिछले वर्ष के 49.4 हजार टन की तुलना में लगभग 57.7 हजार टन का निर्यात किया। बांग्लादेश, मोरक्को और चीन भारतीय हल्दी के सबसे बड़े खरीदार रहे। लेकिन प्रमुख व्यापारिक केंद्रों पर घटती आवक के कारण कीमतों की गिरावट पर अंकुश लग सकती है। सितंबर, 23 में अब तक हल्दी की कुल आवक 5912 टन दर्ज की गई, जबकि पिछले वर्ष यह 9000 टन थी। हल्दी (अक्टूबर) की कीमतें 12300-16200 के दायरे में कारोबार कर सकती है।

बाजार में आपूर्ति संबंधी चिंताओं के कारण जीरा वायदा की कीमतों के तेजी के रूझान के साथ कारोबार करने की संभावना है। त्योहारी मांग में सुधार हुआ है जबकि बाजार में प्रीमियम गुणवत्ता वाले जीरे की आपूर्ति सीमित है जिससे कीमतों में मजबूती को समर्थन मिल रहा है। भारत भर की प्रमुख एपीएमसी मंडियों में सितंबर में अब तक लगभग 4.2 हजार टन जीरा की आवक हुई है, जबकि पिछले साल यह 10.1 हजार टन की आवक हुई थी। लेकिन सुस्त निर्यात मांग अभी भी भारतीय व्यापारियों के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है क्योंकि भारतीय जीरे की कीमतें वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी नहीं रहीं, जिससे विदेशी मांग कम रही। जुलाई-अगस्त के लिए आधिकारिक निर्यात आंकड़ें आने वाले हैं जिससे कीमतों का रुझान तय होगा। भारत ने जून में पिछले वर्ष के 20.4 हजार टन की तुलना में लगभग 9.2 हजार टन जीरा निर्यात किया। आगे त्योहारी मांग के मद्देनजर कीमतें बढ़ने की उम्मीद है। इसके अलावा ओएनडी तिमाही में नई फसल की बुआई भी शुरू हो जाएगी, जो जीरे के लिए प्रमुख मूल्य कारक होगा। जीरा की कीमतें 58200-63500 के दायरे में कारोबार कर सकती है।

निर्यात मांग बढ़ने से धनिया वायदा (अक्टूबर) की कीमतों में तेजी रहने की संभावना है। प्रमुख व्यापारिक केंद्रों पर घटती आपूर्ति और मजबूत निर्यात मांग से निकट अवधि में कीमतों में तेजी बनी रहेंगी। भारत ने जून-23 में पिछले वर्ष के 2.4 हजार टन की तुलना में लगभग 11.3 हजार टन धनिया का निर्यात किया। वर्ष 2023 में चीन, मलेशिया और संयुक्त अरब अमीरात भारतीय धनिये के प्रमुख खरीदार रहे हैं। आगे चलकर, कीमतों में मौसमी बदलाव के कारण कीमतें बढ़ने की उम्मीद है। त्योहारी मांग बढ़ने की उम्मीद से कीमतों में मजबूती को सपोर्ट मिलेगा. इसके अलावा अंतिम तिमाही में नई फसल की बुआई भी शुरू हो जाएगी, जो धनिया की कीमतों के लिए प्रमुख कारक होगा। धनिया में अच्छी वापसी के मद्देनजर धनिया का उत्पादन क्षेत्र बढ़ने का अनुमान है। धनिया की कीमतों के 7000-7700 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है।

अन्य कमोडिटीज

बाजार में गुणवत्ता वाली फसलों की सीमित उपलब्धता के कारण कपास की कीमतों में वृद्धि की संभावना है। कीमतों में अधिक बढ़ोतरी की उम्मीद में किसान अपना स्टॉक जारी नहीं कर रहे हैं। सीसीआई द्वारा अक्टूबर में अपना खरीद अभियान शुरू करने की संभावना है, जिससे किसानों भारतीय कपास निगम से बेहतर कीमत मिलने की उम्मीद में अपनी उपज रोककर रख सकते है। केंद्र ने मध्यम स्टेपल किस्म के कपास का एमएसपी 6,620 रुपये प्रति क्विंटल और लंबे स्टेपल किस्म के लिए 7,020 रुपये प्रति क्विंटल तय किया है। इसके अलावा कपास का रकबा कम होने की रिपोर्ट से भी कीमतों में तेजी आएगी। भारत में 15 सितंबर तक लगभग 123.22 लाख हेक्टेयर में कपास की बुआई हुई है जबकि पिछले वर्ष 127.29 लाख हेक्टेयर में कपास लगाया गया था। एमसीएक्स पर कॉटन (नवम्बर) की कीमतों के 58200-63500 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है। इसी तरह, कपास (अप्रैल-24) वायदा की कीमतों में 1540-1650 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है।

घरेलू बाजार में सुस्त खरीदारी के कारण कॉटनसीडऑयलकेक (दिसम्बर) वायदा की कीमतों में गिरावट की संभावना है। लेकिन कपास के रकबे में गिरावट की रिपोर्ट से कीमतों की गिरावट पर लगाम लगेगी। कॉटनसीडऑयलकेक की मौसमी कीमत सितंबर में कीमतों में गिरावट का संकेत देती है। कॉटनसीडऑयलकेक की कीमतों के 2440-2820 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है।

ग्वारसीड (अक्टूबर) वायदा की कीमतों में मिला-जुला कारोबार होने की उम्मीद है क्योंकि प्रमुख उत्पादक राज्यों में कम उपज की चिंताओं के कारण कीमतों में कुछ सुधार देखने को मिल सकता है। पश्चिमी राजस्थान में सामान्य से कम बारिश ने फसल की प्रगति को लेकर चिंता बढ़ा दी है। वर्ष 2023 में ग्वार का उत्पादन क्षेत्र पहले से ही 10% -12% कम हो गया है और अब उपज की धूमिल संभावना के कारण उत्पादन में कमी आने की संभावना है। ग्वार डेरिवेटिव उत्पादों की मांग बढ़ी है जिससे ग्वार की कीमतों को समर्थन मिलेगा। लेकिन, बढ़त सीमित रहने की संभावना है क्योंकि अक्टूबर में नई आवक में सुधार होने की उम्मीद है जो बाजार के सेंटीमेंट पर असर डालेगी। स्टॉकिस्टों से भी उम्मीद की जाती है कि वे नई फसल शुरू होने से पहले अपना स्टॉक उतार देंगे जिससे आपूर्ति पर्याप्त रहेगी। ग्वारसीड की कीमतों को 6300 के करीब रेजिस्टेंस का सामना करने की संभावना है जबकि सपोर्ट 5650 पर रहने की संभावना है। ग्वारगम की कीमतें 11400-13500 के दायरे में कारोबार कर सकती है।

भौतिक बाजार में सक्रिय मांग के कारण मेंथा ऑयल (अक्टूबर) वायुदा की कीमतों में बढ़ोतरी की उम्मीद है। एफएमसीजी उद्योगों की ओर से सर्दियों में अपेक्षित मजबूत मांग और लगातार निर्यात पूछताछ से इसकी कीमतों में तेजी आने की संभावना है। इसके अलावा, रुपये के अवमूल्यन से निर्यात बाजार को फायदा हो सकता है। मेन्थॉल के लिए उभरती ताजा निर्यात पूछताछ के कारण स्टॉकिस्ट खरीदारी में रुचि दिखा रहे हैं। कम रकबा के कारण वार्षिक आधार पर मेंथा ऑयल का कुल उत्पादन कम होने की संभावना है, जिससे कीमतों में गिरावट पर अंकुश लगेगा। मेंथा ऑयल की कीमतें 905-1010 के दायरे में रहने की संभावना है।

गुजरात में अरंडी के उत्पादन क्षेत्र में वृद्धि की रिपोर्ट के कारण अरंडी की कीमतों में गिरावट की संभावना है। अरंडी के तहत अधिक क्षेत्र की रिपोर्ट से कीमतों पर दबाव रहेगा क्योंकि 15 सितंबर तक पूरे भारत में लगभग 9.47 लाख हेक्टेयर में अरंडी की बुआई की गई थी, जबकि पिछले वर्ष 9.23 लाख हेक्टेयर में बुआई की गई थी। लेकिन कैस्टर मील निर्यात में वृद्धि की रिपोर्ट से गिरावट पर अंकुश लगेगा। भारत ने पिछले वर्ष के 23.7 हजार टन की तुलना में अगस्त 23 में लगभग 30.3 हजार टन अरंडीमील का निर्यात किया। अरंडी (अक्टूबर) वायदा की कीमतों के 5900-6600 के दायरे में रहने की संभावना है।

सर्राफा

सोने के कारोबार में उथल-पुथल वाला सप्ताह रहा और कीमतें गिरावट के साथ बंद हुई, जो मुख्य रूप से ब्याज दरों पर फेडरल रिजर्व के सख्त रूख से प्रभावित था। इस रूख के कारण अमेरिकी डॉलर और ट्रेजरी यील्ड में वृद्धि हुई, और डॉलर छह महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया और 10 साल की ट्रेजरी की यील्ड 16 साल के उच्च पर पहुंच गई। बाजार का सेंटीमेंट सीएमई फेडवॉच टूल से पता चलता है, जिसने अगले वर्ष से पहले फेडरल रिजर्व द्वारा दर में अतिरिक्त बढ़ोतरी की 45% संभावना व्यक्त किया है, साथ ही 2024 की पहली छमाही में कुछ नरमी की लगभग 44% संभावना व्यक्त किया है। इस बीच, निवेशकों ने बेहद कम ब्याज दरों को बनाए रखने के बैंक ऑफ जापान के फैसले का भी विश्लेषण किया। ये संकेतक इन क्षेत्रों में आर्थिक रुझानों और सेंटीमेंट को लेकर अहम अंतर्दृष्टि प्रदान करेंगे, जो संभावित रूप से निवेश निर्णयों को प्रभावित करेंगे। नौकरी की वृद्धि में नरम रूख के बावजूद, अमेरिका में बेरोजगारी के दावे करने वालों की संख्या आठ महीने के निचले स्तर पर पहुंच गई है। इसके अतिरिक्त, दुनिया में सोने के सबसे बड़े एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड, एसपीडीआर गोल्ड ट्रस्ट ने अपनी होल्डिंग्स में मामूली वृद्धि हुई है, जो अब कुल 878.83 टन है। संक्षेप में, फेडरल रिजर्व के सख्त रूख के कारण सोने के बाजारों में यह सप्ताह अस्थिरता और नकारात्मक रिटर्न से भरा रहा, जिसने अमेरिकी डॉलर और ट्रेजरी यील्ड को प्रभावित किया। भविष्य में दरों में बढ़ोतरी और नीतियों में नरमी के संबंध में बाजार का अनुमान सीएमई फेडवॉच टूल के अनुमानों से पता चलता है, और निवेशकों ने अपनी निवेश रणनीतियों के खुलासे के लिए वैश्विक आर्थिक आंकड़ों और केंद्रीय बैंक के फैसलों पर बारीकी से नजर रखी। कॉमेक्स पर सोने की कीमतें 1940-1880 डॉलर के दायरे में कारोबार कर रही है और ब्रेकआउट का इंतजार कर रही है, जबकि चांदी की कीमतें 22.20 पर सपोर्ट के साथ 24.66 तक बढ़ सकती है। इस सप्ताह में एमसीएक्स पर सोने की कीमतें 58500-60000 के दायरे में कारोबार कर सकती हैं और चांदी में दोनों तरफ उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है, जहां कीमतें 71000-77000 के दायरे में कारोबार कर सकती है।

एनर्जी कॉम्पलेक्स

अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों को बनाए रखने के प्रत्याशित फैसले के बाद कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट देखी गई, लेकिन साल के अंत तक दर में वृद्धि का अनुमान लगाकर अधिक सख्त रूख अपनाया गया। विशेष रूप से, ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें लगातार 14वें दिन तकनीकी रूप से अधिक खरीददारी की स्थिति में रही, जो 2012 के बाद से सबसे लंबी अवधि तक तेजी है। फेडरल रिजर्व के नीति निर्माताओं को अभी भी उम्मीद है कि केंद्रीय बैंक की बेंचमार्क ब्याज दर इस साल 5.50%-5.75% के दायरे में अधिकतम स्तर पर पहुंच जाएगी, जो मौजूदा स्तर से थोड़ा ही ऊपर है। मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से बढ़ी हुई ब्याज दरें संभावित रूप से आर्थिक विकास को धीमा कर सकती हैं और तेल की मांग को कम कर सकती हैं। इसके बावजूद, ऊर्जा बाजारों ने अमेरिकी ऊर्जा आंकड़ों पर न्यूनतम प्रतिक्रिया प्रदर्शित की, जो दर्शाता है कि पिछले सप्ताह के दौरान कच्चे तेल का भंडार उम्मीदों के अनुरूप कम हो गया है। आश्चर्यजनक आंकड़ों में, यूके में, अगस्त माह की मुद्रास्फीति में कमी दर्ज की गई और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक 0.1 प्रतिशत अंक गिरकर 6.7% रह गया, जो फरवरी 2022 के बाद से सबसे निचला स्तर है। इस गिरावट के जवाब में, गोल्डमैन सैक्स ने अनुमान लगाया है कि बैंक ऑफ इंग्लैंड संभवत: अपनी आगामी बैठक के दौरान अपनी वर्तमान ब्याज दरों को अपरिवर्तित बनाए रखेगा। इस सप्ताह में कच्चे तेल की कीमतें 7100-7800 के दायरे में कारोबार कर सकती हैं, जहां सपोर्ट के पास खरीदारी और रेजिस्टेंस के पास बेचने की सलाह दी जाती है। नेचुरल गैस की कीमतों पर उन रिपोर्टों के कारण दबाव का सामना करना पड़ा, जिनसे संकेत मिलता है कि ऑस्ट्रेलिया में शेवरॉन कॉर्प और श्रमिक संघ एलएनजी निर्यात सुविधाओं पर हड़ताल को हल करने के लिए नियामकों की मध्यस्थता से एक समझौते के करीब पहुंच रहे है। इसके अतिरिक्त, ईआईए के अनुसार नेचुरल गैस के भंडार में 64 बीसीएफ की वृद्धि हुई, जो 65 बीसीएफ की संभावित वृद्धि के करीब है। इस सप्ताह में, कीमतों में नरमी के रुझान के साथ कारोबार जारी रह सकता है और कीमतें 195-235 के दायरे में कारोबार कर सकती है।

बेस मेटल

बेस मेटल की कीमतें नरमी के रूझान के साथ एक दायरे में कारोबार कर सकती हैं, क्योंकि मुख्यभूमि चीन की आर्थिक वृद्धि असमान बनी हुई है और अमेरिकी डॉलर की मजबूती औद्योगिक धातुओं की वैश्विक मांग को सीमित कर रही है। चीन मामूली प्रोत्साहन उपाय कर रहा है, लेकिन आर्थिक विकास कमजोर है और निवेशक देश के कर्ज से भरे संपत्ति क्षेत्र को लेकर चिंतित हैं। यह आशंका है कि चीन की अर्थव्यवस्था अभी भी निचले स्तर पर है, और आंकड़ों से पता चला है कि अगस्त में उसके संपत्ति क्षेत्र में मंदी और भी बदतर हो गई है, जिससे नए घर की कीमतों, संपत्ति निवेश और बिक्री में गिरावट अधिक हो गई है। चीन के बारे में अमेरिकी कारोबारियों की उम्मीदें भी रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गई है। इसलिए कीमतों में बढ़त पर बिकवाली सबसे अच्छी रणनीति होनी चाहिए। तांबें की कीमतें 705-730 के दायरे में कारोबार कर सकती है। इंटरनेशनल कॉपर स्टडी ग्रुप ने अपने नवीनतम मासिक बुलेटिन में कहा कि वैश्विक स्तर पर रिफाइंड तांबे के बाजार में जुलाई में 19,000 मीट्रिक टन की कमी देखी गई है जबकि जून में 72,000 मीट्रिक टन की कमी हुई थी। आईसीएसजी ने कहा कि साल के पहले 7 महीनों में बाजार में 215,000 मीट्रिक टन तांबा सरप्लस था, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में 254,000 मीट्रिक टन की कमी थी। एलएमई के दैनिक आंकड़ों से पता चलता है कि जुलाई-सितंबर में तेज वृद्धि के बाद, एलएमई के पंजीकृत गोदामों में तांबे का स्टॉक मई 2022 के बाद से 155,700 टन के उच्चतम स्तर पर है। जिंक की कीमतें 215-235 के दायरे में कारोबार कर सकती हैं। लेड की कीमतें 183-190 के दायरे में कारोबार कर सकती है। एल्युमीनियम की कीमतें 197-210 के दायरे में कारोबार कर सकती है। इंटरनेशनल एल्युमीनियम इंस्टीट्यूट के आंकड़ों से पता चलता है कि अगस्त में वैश्विक स्तर पर प्राथमिक एल्युमीनियम का उत्पादन साल दर साल 1.6% बढ़कर 6.0 मिलियन टन हो गया। स्टील लॉन्ग वायदा (अक्टूबर) की कीमतों के 45000-47500 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है और गिरावट पर खरीदारी की रणनीति होनी चाहिए।

तांबा .....हरित अर्थव्यवस्था का बैरोमीटर

औद्योगिक अनुप्रयोगों में व्यापक स्तर पर उपयोग को देखते हुए तांबें को अक्सर आर्थिक मांग के बैरोमीटर के रूप में देखा जाता है। कई उद्योगों में निरंतरता और दक्षता के प्रयासों के लिए दुनिया की बढ़ती प्रतिबद्धता के कारण नए तरीके अपनाने में तांबा अग्रणी है।

एमसीएक्स पर पहली तिमाही में 886 रुपये के स्तर पर पहुंचने के बाद महंगाई से जुड़ी वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और चीन से कमजोर मांग के दबाव में कीमतें फिर से उस स्तर पर नहीं लौट पाई हैं। लेकिन हरित ऊर्जा क्षेत्र से बेस मेटल की मांग बढ़ने की संभावना के कारण तांबे, जिसमें उच्च विद्युत चालकता है, के लिए लंबी अवधि की तस्वीर, जिसमें उच्च विद्युत चालकता है, अभी भी बेहतर है।

तांबा बाजार को प्रभावित करने वाले कई कारक:

मुद्रास्फीति और बढ़ती ब्याज दरें के साथ धीमी वैश्विक वृद्धि

वर्तमान में, संयुक्त राज्य अमेरिका में 3.7% और यूरोजोन में 5.2% के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के साथ मुद्रास्फीति ने पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। चूंकि दुनिया भर के केंद्रीय बैंक मुद्रास्फीति के जवाब में एक साथ ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर रहे हैं, इस कारण दुनिया वैश्विक मंदी की ओर बढ़ रही है और उभरते बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में वित्तीय संकट पैदा कर रही है जो तांबे सहित अन्य धातुओं के आउटलुक को प्रभावित कर रही है।

चीन की वृद्धि और बेस मेटल की मांग

चीन की लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था अब वैश्विक स्तर पर कमोडिटीज की मांग के लिए सबसे बड़ा खतरा है, क्योंकि दुनिया के शीर्ष खरीदार में आर्थिक गतिविधि और ऋण प्रवाह तेजी से बिगड़ रहा है और बीजिंग के मामूली विकास लक्ष्यों को खतरे में डाल रहा है। चीन का संपत्ति क्षेत्र, जो आम तौर पर समग्र अर्थव्यवस्था का एक चौथाई से अधिक हिस्सा है, दो साल के नकदी संकट के कारण काफी धीमा हो गया है। पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना से उम्मीद की जाती है कि वह आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए अपने ऋण की प्रमुख दरों को रिकॉर्ड निचले स्तर पर रखेगा। लेकिन अनुकरणीय उपायों के बावजूद, चीन के संपत्ति बाजार का आउटलुक काफी हद तक कमजोर बना हुआ है।

हरित ऊर्जा संक्रमण

जैसे-जैसे दुनिया जीवाश्म ईंधन से दूर होती जाएगी, दुनिया को विद्युतीकृत करने के लिए तांबे का उपयोग आवश्यक हो जाएगा। अधिकांश विश्लेषक इस बात से सहमत हैं कि हरित ऊर्जा संक्रमण के दौर में बेस मेटल की उपयोगिता बढ़ती जाएगी। वास्तव में, इलेक्ट्रिक वाहन आंतरिक दहन इंजन कारों की तुलना में तीन गुना अधिक तांबे का उपयोग करते हैं- इसके अलावा इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशनों और ऊर्जा भंडारण प्रणालियों में तांबे का उपयोग होता है, और मांग बढ़ती रहती है।

तांबे का उत्पादन और मांग अनुमान

आईसीएसजी के प्रारंभिक आंकड़ों से संकेत मिलता है कि 2023 के पहले सात महीनों में विश्व स्तर पर खदानों से तांबे का उत्पादन लगभग 1.8% बढ़ गया, जबकि विश्व स्तर पर रिफाइंड तांबे का उत्पादन लगभग 7% बढ़ गया। आंकड़ों से पता चलता है कि विश्व स्तर पर रिफाइंड तांबे स्पष्ट उपयोग 2023 के पहले सात महीनों में लगभग 4% बढ़ गया । यूरोपीय संघ, जापान और संयुक्त राज्य अमेरिका में कम मांग के कारण चीन को छोड़कर शेष विश्व में रिफाइंड तांबें के उपयोग पर नकारात्मक प्रभाव डाला, जिसमें लगभग 2.5% की गिरावट का अनुमान है। 2023 के पहले सात महीनों में, चीन का स्पष्ट उपयोग (बांडेड/असूचित स्टॉक में परिवर्तन को छोड़कर) के आधार पर, दुनिया ने तांबे के संतुलन को संशोधित किया, और लगभग 215,000 टन के प्रारंभिक सरप्लस का संकेत दिया।

तांबा आर्थिक गतिविधि और आधुनिक तकनीकी समाज के लिए आवश्यक है। इसके अतिरिक्त, प्रमुख देशों में बुनियादी ढांचे के विकास और स्वच्छ ऊर्जा और इलेक्ट्रिक कारों की ओर वैश्विक रुझान के कारण लंबी अवधि में तांबे की मांग को मदद मिलती रहेगी।

स्रोत:अंतर्राष्ट्रीय तांबा अध्ययन समूह

आप इस रिपोर्ट को हमारी वेबसाइट पर भी देख सकते हैं- www.smctradeonline.com

Corporate Office:
11/6B, Shanti Chamber,
Pusa Road, New Delhi - 110005
Tel: +91-11-30111000
www.smcindiaonline.com

Mumbai Office:
Lotus Corporate Park, A Wing 401 / 402 , 4th Floor ,
Graham Firth Steel Compound, Off Western Express Highway, Jay Coach Signal, Goreagon (East) Mumbai - 400063
Tel: 91-22-67341600, Fax: 91-22-67341697

Kolkata Office:
18, Rabindra Sarani, Poddar Court, Gate No-4,
5th Floor, Kolkata-700001
Tel.: 033 6612 7000/033 4058 7000
Fax: 033 6612 7004/033 4058 7004

प्रतिभूति बाजार में निवेश बाजार के जोखिमों के अधीन है। निवेश करने से पहले सभी संबंधित दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ लें। सेबी द्वारा दिया गया पंजीकरण और एनआईएसएम से प्रमाणन किसी भी तरह से मध्यस्थ के प्रदर्शन की गारंटी नहीं देता है या निवेशकों को रिटर्न का कोई आश्वासन नहीं देता है। उद्धृत प्रतिभूतियां केवल उदाहरण के लिए हैं और अनुशंसात्मक नहीं हैं। एसएमसी सेबी द्वारा पंजीकृत एक अनुसंधान विश्लेषक है जिसका पंजीकरण संख्या आईएनएच 100001849 है। सीआईएन: L74899DL1994PLC063609 है।

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवायें और संबंधित सेवायें करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एमएसईआई(मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉमट्रेड नेशनल कमोडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कमोडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एमसीएक्स स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड की सदस्य हैं। एसएमसी सीडीएसएल(CDSL) और एनएसडीएल(NSDL)के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है । एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मर्चेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड है। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एएमएफआई(AMFI) में भी रजिस्टर्ड है ।

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड सेबी (रिसर्च एनॉलिस्ट)रेगुलेशन 2014 के तहत रिसर्च एनॉलिस्ट के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एथॉरिटी द्वारा सिक्योरिटीज मार्केट/कमोडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निलंबित नही किया गया है। रिपोर्ट में रिसर्च एनॉलिस्टों द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्रोतों, जिन्हें सत्य माना जाना जाता है, पर आधारित हैं। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री की शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नही देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें । रिसर्च एनॉलिस्ट, जिन्होने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कमोडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय है।

डिसक्लेमर: यह रिसर्च रिपोर्ट अधिकृत प्राप्तकर्त्ता की व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक के किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नही हैं । यह केवल प्राइवेट सर्कुलेशन एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विश्वस्त सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा जरूरी नही और इस पर पूरी तरह भरोसा नही किया जाना चाहिए । रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नही किया जा सकता है । इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुन: वितरण नही किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उठाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए । यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नही करता या किसी खास निवेश उद्देश्य, वितीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉरपोरेट या सत्ता की जरूरतों को लेकर नही चलता है । सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते है एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन की गारन्टी नही देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए ।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसकी (अ)समय-समय पर किसी भी कमोडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है, खरीद या बिक्री, कोई भी पोजिशन हो सकती है और वह इस कमोडिटीज को खरीद या बिक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कमोडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकर में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विवाद हो सकता है । सभी विवादों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीन होगा ।